भजन

तर्ज : आधा है चन्द्रमा, रात आधी

सुन्दर सुहामणा धाम धनी,
मिठड़ा आपणा धामधनी वाला धाम धनी

1. मुख शोभा देख सुख पाऊँ, वारी बलिहारी फेर-फेर जाऊँ
दीवानी भई मस्तानी भई, गाऊँ प्रेम इसक की रागनी
सुन्दर......

2. साँचे लाड लडाये पिऊ जी, रस रसना पिलाये पिऊ जी
पिऊ प्रेम नजर, ज्यों सागर लहर डूबती भीगती ये सुहागनी
सुन्दर.........

3. ढिग बैठाये नैनां मिलायें, दिल अन्दर इसक उपजाये
मुख निरखे सखि,दिल हरखे सखि, लागे प्रीत पिया की सुखदायनी
सुन्दर.......